देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की मुख्य वेबसाइट के साथ सभी विभागों का काम विद्यार्थी ही कर रहे संचालित

विद्यार्थियों की मदद से यूनिवर्सिटी के हो रहे बड़े काम

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी पढ़ने के साथ यूनिवर्सिटी प्रशासन को कई तरह की मदद भी करते हैं। इसी तरह की एक बड़ी मदद कंप्यूटर साइंस (सीएस) इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) के विद्यार्थी कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी की मुख्य वेबसाइट के साथ सभी विभागों की वेबसाइट को बनाने और इसके मेंटेनेंस करने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों पर है। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी), इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के साथ आईटी विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस की लैब में विद्यार्थी यूनिवर्सिटी की टेक्निकल समस्याओं को दूर करने की कोशिश करते हैं। ● फाइल फोटो

ऑनलाइन सीईटी कराने की शुरुआत विद्यार्थियों से ही हुई

यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए होने वाली सीईटी एंट्रेंस टेस्ट को पहली बार ऑनलाइन करने की जिम्मेदारी भी एमसीए के विद्यार्थियों पर थी। हर सीट का ऑनलाइन स्टेटस घर बैठे देखने के लिए आईआईपीएस के विद्यार्थी सॉफ्टवेयर बना चुके हैं। विद्यार्थी पासआउट होकर दूसरे शहरों में चले गए हैं, लेकिन यह सिस्टम अब भी यूनिवर्सिटी को काम आ रहा है।

आईटी विषय पढ़ने वाले थर्ड और फोर्थ ईयर के विद्यार्थियों को भी इससे अच्छा एक्सपोजर मिल रहा है और यूनिवर्सिटी के हर साल लाखों रुपए बच रहे हैं।

रखरखाव की समस्या भी नहीं आती

स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रोफेसर कीर्ति पंवार का कहना है हम विद्यार्थियों को पढ़ाने के अलावा टेक्नोलॉजी से संबंधित बेसिक जानकारियों से भी रूबरू कराते रहते हैं। इसमें वेबसाइट, एप और रोजमर्रा के काम में आने वाले अन्य सॉफ्टवेयर को चलाना सिखाया जाता है। सर्वर के रखरखाव से लेकर सॉफ्टवेयर में आ रही परेशानियों को दूर करने के तरीके भी बताए जाते हैं। इसके चलते विभाग में भी अगर किसी सर्वर या कंप्यूटर सिस्टम में परेशानी आ जाती है तो विद्यार्थी खुद ही इसे ठीक कर देते हैं। कई बार दूसरे विभाग भी हमारे विद्यार्थियों की मदद टेक्निकल प्रोजेक्ट बनाने और समस्याओं को दूर करने में लेते हैं।

आईईटी नए विद्यार्थियों को देता है जिम्मेदारी

यूनिवर्सिटी का आईईटी सालों से अपनी वेबसाइट और इंटरनल सॉफ्टवेयर को संचालित करने का काम विद्यार्थियों से करा रहा है। इसमें ज्यादातर सीएस और आईटी ब्रांच के फोर्थ ईयर के विद्यार्थी रहते हैं। प्रदेश में आईआईटी इंदौर, एसजीएसआईटीएस के बाद आईईटी को ही बेहतर शिक्षा और रिसर्च के लिए जाना जाता है। इसके चलते यूनिवर्सिटी के कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट यहां के प्रोफेसर्स और विद्यार्थियों के पास होते हैं।

संस्थान में होने वाले वार्षिक आयोजनों की वेबसाइट भी यही के विद्यार्थी बनाते हैं। आईईटी के डायरेक्टर डॉ. संजीव टोकेकर का कहना है कि विद्यार्थियों को प्रेक्टिकल लर्निंग के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर कॉलेज में रहते हुए काम करते रहना चाहिए। कई कंपनियां विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रोजेक्ट को देखकर बेहतर ऑफर करती है।